आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353
डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023

प्रेषण :- कार्यालय चेतक सर्कल पोस्ट ऑफिस ,उदयपुर
प्रेषण दिनांक:-प्रतिदिन

दैनिक समाचार–पत्र

मन के जीते जीत सदा

• वर्ष - 9 • अंक-2363 • उदयपुर, रविवार 13 जून, 2021 • प्रेषण दिनांक : प्रतिदिन • कुल पृष्ठ : 4 • मूल्य : 1 रुपया

समाचार–जगत्
सकारात्मक व जनहितार्थ खबरें

अपने बच्चों में जगाएं दिव्यांगों के प्रति सम्मान

समाज के एक जागरूक सदस्य के रूप में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए तथा अपने बच्चों को प्रारम्भ से ही ऐसे संस्कार देने चाहिए जिससे वे आगे चलकर दिव्यांगों के साथ सम्मान के भाव से व्यवहार कर सकें। बच्चों को यह शिक्षा दे कि किसी दिव्यांग का मूल्यांकन उसकी शारीरिक क्षमता से नहीं, बल्कि उसकी सोच, उसकी बुद्धिमता, उसके विवेक और उसके साहस से होनी चाहिए। इसलिए व्यक्ति के शारीरिक सोन्दर्य या उसकी आकर्षक शारीरिक बनावट या रंग–रूप को महत्व ने देकर उसके ज्ञान, विवेक, हिम्मत और कौशल के आधार पर उसकी महानता देखनी चाहिए।

आपको अपने बच्चों को बताना चाहिए कि उन्हें अपने आस–पास के दिव्यांग व्यक्तियों का उसी प्रकार सम्मान करना चाहिए जैसे वे सामान्य व्यक्तियों का करते है। बहुत से अच्छे शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के साथ शरारतपूर्ण हरकते करते हैं। कभी–कभी बच्चें दिव्यांग व्यक्तियों के लिए अंधा, लगंड़ा, जैसे अप्रिय शब्दों का प्रयोग करते देते है। इस शरारत से दिव्यांग व्यक्ति को शारीरिक मानसिक चोट पहुंच सकती है। बच्चा भी ऐसा ही करता है तो तत्काल उसे रोकें और तत्काल बच्चें को अपराध बोध करते हुए उस व्यक्ति से माफी मांगने को कहें और भविष्य में ऐसा न करने की हिदायत भी दें।

अगर आपके घर में या पास–पड़ोस में कोई दिव्यांग व्यक्ति है तो उसके पास भी अपने बच्चों को खुलकर खेलने दें इससे एक ओर तो उस व्यक्ति को अच्छा लगेगा व दूसरी और बच्चें के मन में में भी समाज के अन्य दिव्यांग व्यक्ति के प्रति प्रेमभाव पैदा होगा। आप को स्वयं ही अपने बच्चें के सामने आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए। बच्चा वही करेगा जो आप से सीखेगा। यदि आप व्यक्तिगत रूप से किसी दिव्यांग बच्चें को जानते है तो ऐसे बच्चों के परिजन से अपील करें कि ये अपने बच्चों को कभी भी बोझ न समझें और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए स्वतंत्रता के साथ जिन्दगी जीने और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करें। अपने बच्चें को इस संबंध में और अधिक जागरूक बनाने के लिए आपको उसे प्रेरक फिल्मे दिखानी चाहिए, क्योंकि बच्चें स्क्रीन या टेलीविजन पर चीजो को देखकर उसका अनुसरण करने की कोशिश करते हैं।

आपको बच्चों को खाली समय में प्रेरक कहानियों को पढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्हें अनेक ऐसे लोगों की मिसाल दे जिन्होंने अपंगता की परवाह न करते हुए किसी न किसी क्षेत्र में अपना मुकाम हासिल किया।

सेवा–जगत्
मानवता का प्रतीक, आपका सेवा संस्थान

नारायण सेवा द्वारा देशभर में वृक्षारोपण किया

बढ़ते हुए प्रदूषण और प्रकृति के दोहन से आप मानव जाति संकट में है। हमें रोज पर्यावरण दिवस समझकर प्रकृति का संरक्षण और संवर्धन होगा। यह बात नारायण सेवा संस्थान में पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हिरण मगरी थानाधिकारी रामसुमेर जी मीणा ने कही। संस्थान संस्थापक चेयरमेन पद्श्री कैलाश जी मानव और ट्रस्टी कमला देवी जी अग्रवाल ने पधारे हुए अतिथि सहायक वन संरक्षक कन्हैया लाल जी शर्मा, वैज्ञानिक अधिकारी रोहित जी मीणा और श्याम सिंह जी का अभिनंदन किया तथा उनके हाथों से एक – एक पौधारोपण करवाया।

अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने बताया कि संस्थान द्वारा 5 से 11 जून तक पर्यावरण सप्ताह मनाया गया। जिसके तहत् 1000 वृक्ष उदयपुर के विभिन्न चिन्हित क्षेत्रों में लगाये गये। संस्थान कोरोना संक्रमितों के लिए चलाई जा रही निःशुल्क भोजन, ऑक्सीजन, दवाई सेवाओं की जानकारी निदेशक वंदना जी अग्रवाल ने दी। मीणा जी द्वारा संस्थान की भोजन, राशन एवं दिव्यांगजन सेवाओं की सराहना की। साथ ही निदेशक पलक जी अग्रवाल ने जानकारी दी। कि संस्थान के दिल्ली, जयपुर, बडौदा, हैदराबाद, बंगलोर, लखनऊ आदि देशभर की शाखाओं में पौधारोपण किया।

नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

कोरोना संक्रमितों के सेवार्थ नि:शुल्क सेवाएं

ऑक्सीजन सिलेंडर सेवा

अब तक नि:शुल्क 263 ऑक्सीजन सिलेण्डर दिये

'घर – घर भोजन' सेवा

अब तक घर–घर नि:शुल्क 56,044 भोजन पैकेट वितरित

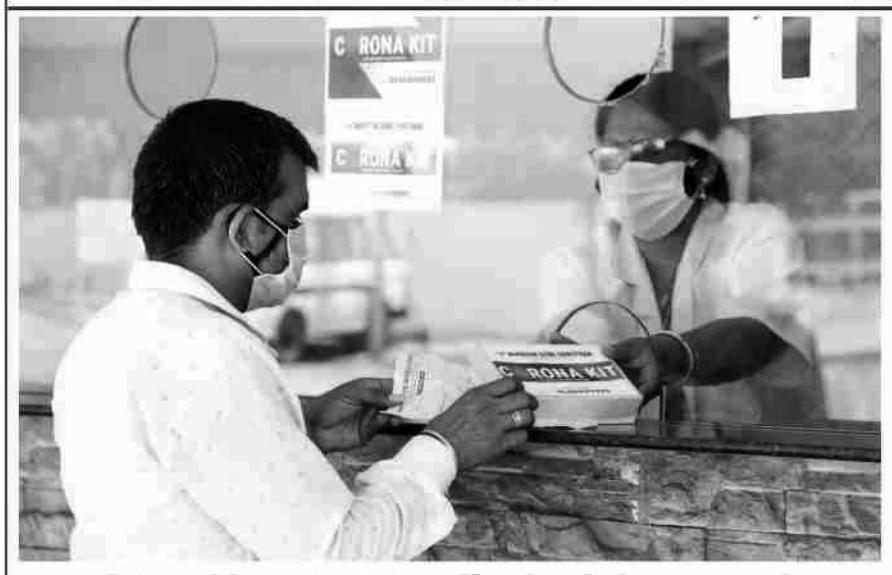

कोविड पॉजिटिव बीमारों को कोरोना किट सेवा

अब तक नि:शुल्क 2566 कोरोना किट संक्रमितों को दिये

बीमार को एम्बुलेंस सेवा

बीमार को हॉस्पीटल पहुँचाते संस्थान कर्मी अब तक 318 जन लाभान्वित

हैड्रोलिक बेड सेवा

150 जन को हैड्रोलिक बेड कराये उपलब्ध

कोरोना प्रभावित 30,345 मजदूर परिवारों को राशन वितरण

'नारायण सेवा संस्थान द्वारा कोरोना सेवा में सेवा साधक'

प्रेरणा

पद्मश्री आदरणीय कैलाश जी 'मानव'
आदरणीया कमलाजी
आदरणीय प्रशांत भैया जी
आदरणीया वदंना भाभी जी
आदरणीय पलक जी
आदरणीय महर्षि जी

सेवा साधना

1	दल्लाराम जी पटेल	10	हितेष जी सेन	19	राजेन्द्र जी शर्मा	28	रणवीर जी	37	विवेक जी
2	रोहित जी तिवारी	11	हरीश जी	20	शांतिलाल जी	29	कन्हैया जी	38	मानसिंह जी
3	दिनेश जी वैष्णव	12	वर्षा जी	21	प्रवीण जी यादव	30	जगदीशचन्द्र जी	39	मोहन जी
4	राकेश जी पानेरी	13	राकेश कुमार मोची	22	उदयसिंह जी	31	प्रकाश जी	40	प्रकाश जी
5	मुकेश जी शर्मा	14	लोगर जी डांगी	23	कान जी सिंह	32	शंकर जी	41	फतहलाल जी
6	रजत जी गौड़	15	मनीष जी हिन्डोनिया	24	दलपत जी	33	गोपाल जी	42	मुन्ना सिंह जी
7	मोहित जी	16	प्रताप जी दर्जी	25	वरदीचन्द्र जी	34	प्रेम जी	43	दिग्विजय जी
8	प्रशांत जी पंचोली	17	शरद जी वैरागी	26	बबलू जी	35	हिरालाल जी	44	भगवान जी गौड
9	लालसिंह जी	18	राकेश जी मीणा	27	भरत जी	36	लाकेश जी	45	संतोश जी

अपनी जुबानी

संस्थान की कोरोना सेवाओं से लाभान्वितों के अनुभव

मैं और मेरे परिवार के अन्य सदस्य माता–पिता, पत्नी और दोनों बहने कोरोना पॉजिटिव हो गए। हमनें डॉक्टर्स की सलाह पर होम आइसोलेट रहने का फैसला लिया। लेकिन हम सभी संक्रमितों के सामने दोनों समय के भोजन की समस्या थी। हमारा खाना कौन बनाएं? तभी हमें नारायण सेवा के घर–घर भोजन सेवा की जानकारी मिली।

संस्थान की हेल्पलाइन नम्बर पर कॉल किया। हमें 6 पैकेट भोजन भेजना शुरूकर दिया। वास्तव में खाना– बहुत स्वादिष्ट था। अच्छे से पैकिंग में सुरक्षित पैकेट 15 दिन तक निरन्तर मिलता रहा स्वादिश्ट भोजन। अब हमारा पूरा परिवार पूर्ण स्वस्थ हो गया। इस सेवा के लिए संस्थान का बहुत आभार।

– अंकित माथुर, उदयपुर

मैं और मेरी पत्नी व बेटे को बुखार आने लगा। कोरोना टेस्ट करवाया। हमारी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आ गई। तभी हम सब घर में आइसोलेंट हो गए। हम तीनों बीमार दवाई और भोजन के लिए चिंन्तित थे। तभी मेरे मित्र ने मुझे नारायण सेवा संस्थान की कोरोना किट और घर–घर भोजन सेवा से अवगत कराया। मैंनें दूरभाष से सम्पर्क किया। हमें कोरोना दवाई किट और भोजन पैकेट सुविधा शुरू हो गई। 14 दिनों तक संस्थान से कार्यकर्त्ताओं की सेवाएं मिली। सुपाचय और रूचिकर भोजन के साथ कोरोना मेडीसन खाकर कोरोना संक्रमण से उबर गए। हम सभी अब पूर्ण स्वस्थ्य है। संस्थान की दिल से धन्यवाद।

– रानू राजपूत, उदयपुर

हार्ट पेशेन्ट मेरे दादा जी एक शादी में गए, वहां उन्हें सर्दी जुकाम की शिकायत हो गई। कोरोना रिपोर्ट करवाई जो कि पॉजिटिव आई। डॉक्टर्स ने होम आइसोलेट रहकर ट्रीटमेंट लेने की बोला। घर पर केयर करने के लिए हमने नारायण सेवा संस्थान से मदद मांगी, तो हमें हेड्रोलिक बेड और ऑक्सीजन सिलेन्डर उपलब्ध करवाया। 10 दिनों में दादाजी रिकेवर हो गए। इस सहयोग के लिए संस्थान का आभार।

– प्रेम आहरी, बड़गांव

मेरे पिता जी 5 दिन पहले कोरोना संक्रमित निकले। उन्हेंघर पर रखकर ईलाज शुरू किया लेकिन उनका ऑक्सीजन लेवल गिरने लगा। हमारी फिक्र बढ़ने लगी। हॉस्पीटल में ऑक्सीजन बेड के लिए प्रयास किया पर मिला नहीं। मदद के लिए नारायण सेवा संस्थान से सम्पर्क किया। तो उन्होंने ऑक्सीजन सिलेन्डर उपलब्ध करा दिया। 2–3 दिन ऑक्सीजन पर रहने के बाद उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ। अब पिता जी पूर्ण कुशल है। विपदा की घड़ी में संस्थान की मदद के लिए हम सदैव कर्तज्ञ रहेंगे।

– मोहन मीणा, डबोक

मूर्ख की दोस्ती

एक समय की बात थी एक राजा ने एक पालतू बन्दर को अपने सेवक के रूप में रखना शुरु कर दिया। जहां भी राजा जाता, बन्दर भी उसके साथ जाता। राजा के दरबार में उस बन्दर को राजा का पालतू होने के कारण कोई रोक–टोक नहीं थी। गर्मी के मौसम में एक दिन राजा अपने शयन कक्ष में विश्राम कर रहा था। बन्दर भी शयन कक्ष के पास बैठकर राजा को एक पंखे से हवा कर रहा था। एभी एक मक्खी आई और राजा के सीने पर आकर बैठ गई। जब बन्दर ने उस मक्खी को बैठे देखा तो उसने उसे उड़ाने का प्रयास किया। हर बार वो मक्खी उड़ती और थोड़ी देर बाद फिर राजा के सीने पर आकर बैठ जाती।

यह देखकर बन्दर गुस्से से लाल हो गया। गुस्से में उसने मक्खी को मारने की ठानी। वह बन्दर मक्खी का मारने के लिए हथियार ढूंढ़ने लगा। कुछ दूर ही उसे राजा की तलवार दिखाई दी। उसने वह तलवार उठाई और गुस्से में मक्खी को मारने के लिए पूरे बल से राजा के सीने पर मार दी। इससे पहले की तलवार मक्खी को लगती, मक्खी वहां से उड़ गई। बन्दर के बल से किए गए वार से मक्खी तो नहीं मरी मगर उससे राजा की मृत्यु अवश्य हो गई।

गंगा शहर निवासी गुवाहाटी प्रवासी लोढा परिवार ने पेश की मिशाल

पुत्र की शादी में खर्च नहीं कर, दिव्यांगों के ऑपरेशन का लिया संकल्प

नारायण सेवा संस्थान बनी प्रेरणा का स्रोत

बीकानेर। गंगाशहर निवासी व गुवाहाटी प्रवासी समाजसेवी मानमल लोढा ने अपने पुत्र नितेश लोढा की शादी को वृहद स्तर पर न करके एक नारायण सेवा संस्थान के माध्यम से दिव्यांग का ऑपरेशन करवाने का निर्णय लिया है। नारायण सेवा संस्थान बीकानेर के प्रेरक कमल लोढा ने बताया कि गुवाहाटी के व्यवसायी मानमल लोढा ने बताया कि उत्सव के अवसर अनेक मिल जाएंगे लेकिन इस विकट दौर में सेवा धर्म निभाना जरूरी है।

गौरतलब है कि नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर 4 लाख से ज्यादा दिव्यांग ऑपरेशन कर चुकी है। कोरोना काल में 50,000 परिवारों को अनाज का निःशुल्क वितरण किया।

अंतहीन संभावनाएं - दिव्यांगता राहत के विभिन्न आयाम

चिकित्सा

- निदान (एक्स रे, ओपीडी, लैब)
- उपचार (कृत्रिम अंग और कैलीपर्स)
- पोस्ट ऑपरेटिव केयर (वार्ड, आईसीयू)
- चिकित्सा सहायता (फार्मेसी एवं फिजियोथेरेपी)

स्वावलम्बन

- हस्तकला या शिल्पकला
- सिलाई प्रशिक्षण
- डिजिटल (कंप्यूटर) प्रशिक्षण
- मोबाइल फोन मरम्मत प्रशिक्षण
- नारायण चिल्ड्रन एकेडमी (निःशुल्क डिजीटल स्कूल)

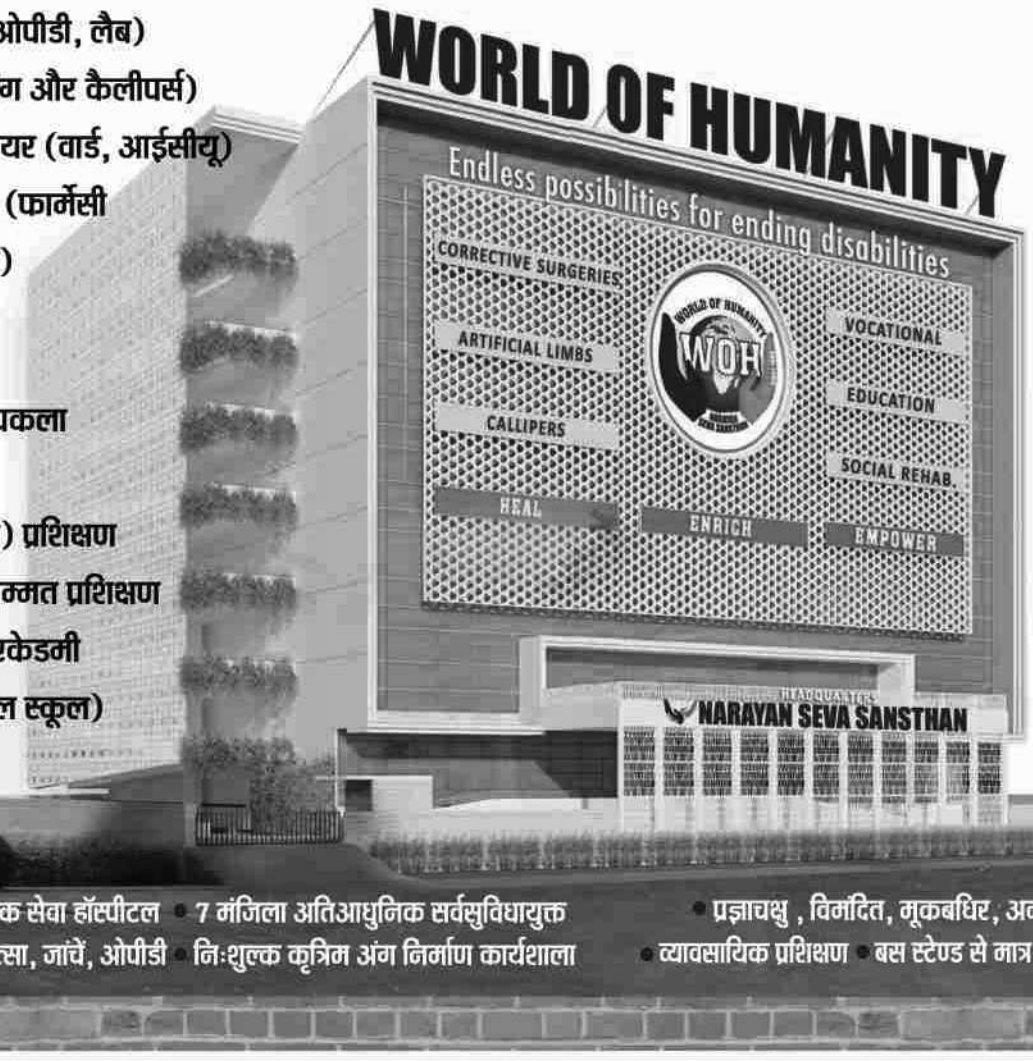

सशक्तिकरण

- दिव्यांग शादी समारोह
- दिव्यांग हीरोज
- दिव्यांग खेल अकादमी
- दिव्यांग संगोष्ठी - सेमीनार
- इंटर्नशिप वॉलंटियर

सामुदायिक सेवाएं

- आदिवासी और ग्रामीण शिक्षा
- वस्त्र वितरण
- दृश्य एवं श्रवण बाधित के लिए आवासीय विद्यालय
- भोजन सेवा
- राशन वितरण
- वस्त्र और कंबल वितरण
- दवा वितरण

- 450 बेड का निःशुल्क सेवा हॉस्पीटल • 7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त
- निःशुल्क शल्य चिकित्सा, जांचें, ओपीडी • निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला
- प्रज्ञाचक्षु , विमंदित, मूकबधिर, अनाथ एवं निर्धन बच्चों का निःशुल्क आवासीय
- व्यावसायिक प्रशिक्षण • बस स्टेण्ड से मात्र 700 मीटर दूर • रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

अब तक 56,044 भोजन थाली वितरित |

भोजन थाली के लिए सहयोग करे।

कोरोना संक्रमितों एवं परिवारों के लिए

25 पैकेट	50 पैकेट	100 पैकेट	250 पैकेट	500 पैकेट
₹ 2,000	₹ 4,000	₹ 8,000	₹ 20,000	₹ 40,000

अब तक 2566 मेडिसिन किट वितरित |

कोविड-19 मेडिसिन किट के लिए सहयोग करें

कोरोना संक्रमित रोगियों के सेवार्थ

1 किट	5 किट	10 किट	25 किट	50 किट
₹ 500	₹ 2500	₹ 5000	₹ 12500	₹ 25000

अब तक 30,345 गरीब परिवारों के घरों तक पहुंचाया राशन

कोरोना प्रभावित गरीब, मजदूर एवं बेरोजगार परिवारों को दें राशन का सहयोग

1 परिवार गोद लें 1 माह के लिए	3 परिवार गोद लें 1 माह के लिए	5 परिवार गोद लें 1 माह के लिए	10 परिवार गोद लें 1 माह के लिए	25 परिवार गोद लें 1 माह के लिए
₹ 2,000	₹ 6,000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 50,000

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI** UPI narayanseva@sbi डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें - अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	Branch Address	RTGS/NEFT Code	Account
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	Udaipur Main	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार छूट के योग्य है।

'मन के जीते जीत सदा' दैनिक समाचार-पत्र अब ऑनलाईन साईट पर भी उपलब्ध है
www.narayanseva.org, www.mannkijeet.com
: kailashmanav

मन के जीते जीत सदा (दैनिक समाचार-पत्र) प्रकाशक : कैलाश चन्द्र अग्रवाल स्वामित्व : नारायण सेवा संस्थान प्रकाशन स्थल : सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, से. 4, उदयपुर (राज.) 313002
मुद्रक : न्यूट्रेक ऑफसेट प्रिंटर्स, 13, भोपा मगरी, बी.एस.एन.एल. एक्सचेंज के पास, हिरण मगरी, सेक्टर - 3 उदयपुर (राज.) के लिए नारायण प्रिंटिंग प्रेस, सेवा महातीर्थ, लियो का गुडा, उदयपुर
• सम्पादक : लक्ष्मीलाल गाडरी, मो. 8278607811, 9119398965 • ई-मेल : mankijeet2015@gmail.com • आरएनआई नं. RAJHIN/2014/59353 • डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023